Bachelor of Arts (Sanskrit)

बैचलर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)

Value Addition Course (VAC-01)

वैदिक अध्ययन - Vedic Studies

अनुक्रम

| खण्ड- एक (Section-A) वेद-वेदाङ्ग एवं संहिता | पृष्ठ संख्या 01-05 |
|--|--------------------|
| इकाई-1 वेद शब्द का अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व | 06-14 |
| इकाई-2 वेदाङ्ग परिचय एवं वर्ण्य विषय | 15-26 |
| इकाई-3 संहिता एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का स्वरूप एवं प्रतिपाद्य विषय | 27-58 |
| | |
| खण्ड- दो (Section-B) आरण्यक एवं उपनिषद् | पृष्ठ संख्या 59 |
| इकाई-1 आरण्यक का अर्थ, परिचय एवं वर्ण्य विषय | 60-72 |
| इकाई-2 उपनिषद् का अर्थ, परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय | 73-88 |
| इकाई-3 प्रमुख उपनिषदों का सामान्य परिचय | 89-106 |
| | 300 |
| खण्ड- तीन (Section-C) वैदिक सूक्त एवं निरुक्त | पृष्ठ संख्या 107 |
| इकाई-1 सूर्यसूक्त एवं शिवसंकल्पसुक्त मूलपाठ अर्थ एवं व्याख्या | 108-119 |
| इकाई-2 इन्द्र सूक्त मूलपाठ अर्थ एवं व्याख्या | 120-129 |
| इकाई-3 उषस सूक्त एवं नासदीय सूक्त मूलपाठ अर्थ एवं व्याख्या | 130-152 |
| इकाई-4 निरुक्त परिचय, महत्त्व एवं प्रतिपाद्य | 153-164 |
| 100 mm - 100 | |
| खण्ड- चार (Section-D) सृष्टि की वैदिक अवधारणा | पृष्ठ संख्या 165 |
| इकाई-1 सृष्टि की वैदिक परिकल्पना एवं अवधारणा | 166-190 |
| इकाई-2 वैदिक वाङ्मय में ब्रह्माण्ड की अवधारणा | 191-202 |
| इकाई-3 वैदिक सृष्टि के प्राचीन एवं आधुनिक सिद्धान्त | 203-217 |
| इकाई-4 सृष्टि संरचना एवं स्वरूप | 218-238 |